बिहार बजट विश्लेषण

2025-26

बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 3 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए बिहार का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 10.97 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 22% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 2,94,075 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 10% कम है। इसके अलावा राज्य द्वारा 22,820 करोड़ रुपए का कर्ज भी चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 2,61,357 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 7% अधिक है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 0.8% (8,831 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 4.1% (36,788 करोड़ रुपए) था।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3% (32,718 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। 2024-25 में, संशोधित अनुमान के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 9.2% होने की उम्मीद है जो 3% के बजट अनुमान से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **महिला कल्याण**: पटना में महिला हाट की स्थापना, सभी जिलों में गुलाबी शौचालयों का क्रियान्वयन, तथा प्रमुख शहरी क्षेत्रों में महिला चालकों और कंडक्टरों वाली गुलाबी बसें शुरू करने की घोषणा की गई है।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर**: सुल्तानगंज (भागलपुर जिला) और रक्सौल (पूर्वी चंपारण जिला) में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के निर्माण की घोषणा की गई है।
- **कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं की स्थापना**: राज्य के सभी उप-मंडलों और ब्लॉकों में चरणबद्ध तरीके से कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं स्थापित की जाएंगी।

नृपेंद्र सिंह
nripendra@prsindia.org

1 अप्रैल, 2025

बिहार की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में बिहार की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 9.2% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में, 2023-24 में भारत की जीडीपी 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में सेवा क्षेत्र में 10.8% (स्थिर कीमतों पर), इसके बाद मैन्यूफैक्चरिंग (8.2%), और कृषि (5.7%) क्षेत्र के बढ़ने का अनुमान है। 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवाओं का अर्थव्यवस्था में क्रमशः 24%, 18% और 58% योगदान देने का अनुमान है (मौजूदा कीमतों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में बिहार की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 66,828 रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2022-23 की तुलना में 13% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 11% की वृद्धि है।

रेखाचित्र 1: बिहार में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

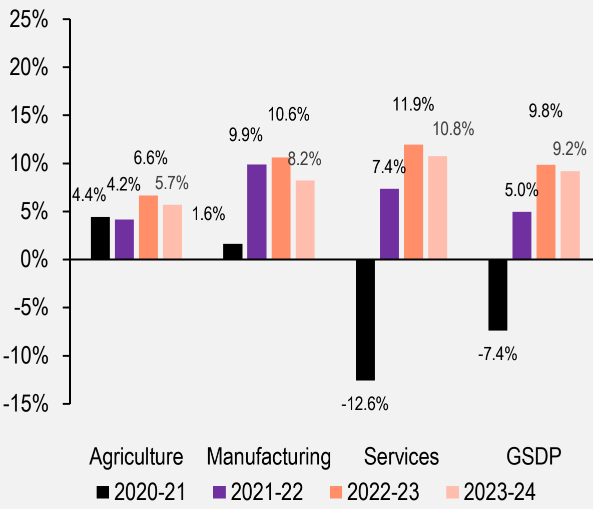

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 2,94,075 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 10% की कमी है। इस व्यय को 2,61,357 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 32,918 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है।
- राज्य का अनुमान है कि 2025-26 में जीएसडीपी का 0.8% **राजस्व अधिशेष** (8,831 करोड़ रुपए) होगा, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी का 4.1% राजस्व घाटा होगा।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3% (32,718 करोड़ रुपए) पर लक्षित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 9.2%) से कम है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	2,52,082	2,78,726	3,49,818	26%	3,16,895	-9%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	22,979	22,393	22,393	0%	22,820	2%
शुद्ध व्यय (E)	2,29,103	2,56,333	3,27,425	28%	2,94,075	-10%
कुल प्राप्तियां	2,53,661	2,78,926	3,08,614	11%	3,17,095	3%
(-) उधारियां	60,218	51,688	63,667	23%	55,738	-12%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	1,93,443	2,27,238	2,44,947	8%	2,61,357	7%
राजकोषीय घाटा (E-R)	35,660	29,095	82,478	183%	32,718	-60%
जीएसडीपी का %	4.2%	3.0%	9.2%		3.0%	
राजस्व संतुलन	2,833	1,121	36,788	3380%	8,831	-124%
जीएसडीपी का %	0.3%	0.1%	4.1%		0.8%	
प्राथमिक घाटा	18,054	8,569	61,952	623%	9,704	-84%
जीएसडीपी का %	2.1%	0.9%	6.9%		0.9%	
जीएसडीपी	8,54,429	9,76,514	8,96,429	-8%	10,97,264	22%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 2,52,000 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 10% कम है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला खर्च शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 40,532 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 7% कम है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है। 2024-25 में पूंजीगत व्यय बजट अनुमान से 49% अधिक रहने का अनुमान है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा ऊर्जा पर व्यय बजट अनुमान से तीन गुना अधिक रहने का अनुमान है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम राशि (एडवांस) 1,543 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 38% कम है।

संशोधित अनुमानों की विश्वसनीयता

बजट में संशोधित अनुमानों का उद्देश्य 9-10 महीनों के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर चालू वित्त वर्ष की अधिक यथार्थवादी तस्वीर प्रदान करना है। हालांकि बिहार में संशोधित चरण में व्यय अनुमान अक्सर अवास्तविक होते हैं जिससे राजकोषीय घाटे का अनुमान अनुमत सीमा से अधिक हो जाता है। 2022-23 से 2024-25 तक राजकोषीय घाटे का बजट अनुमान 3%-3.5% रहा है। हालांकि संशोधित चरण में ये अनुमान बढ़कर लगभग 9% हो गया। वास्तविक राजकोषीय घाटा 2022-23 में संशोधित अनुमान से 2.8 प्रतिशत कम था, और 2023-24 में 4.7 प्रतिशत था। हालांकि वास्तविक व्यय बजट से 4% कम है (तालिका 7 देखें)।

रेखाचित्र 2: राजकोषीय घाटे का अनुमान और वास्तविक आंकड़े (2022-23 से 2024-25)

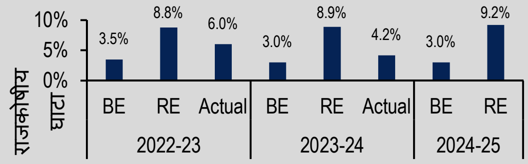

स्रोत: बिहार बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	1,90,514	2,25,677	2,81,230	25%	2,52,000	-10%
पूंजीगत परिव्यय	36,453	29,416	43,686	49%	40,532	-7%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	2,136	1,240	2,508	102%	1,543	-38%
शुद्ध व्यय	**2,29,103**	**2,56,333**	**3,27,425**	**28%**	**2,94,075**	**-10%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में बिहार द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 1,08,094 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 42% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 20%), पेंशन (13%), और ब्याज भुगतान (9%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 36% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया था।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	27,017	40,559	46,073	14%	51,690	12%
पेंशन	24,291	31,796	31,796	0%	33,389	5%
ब्याज भुगतान	17,606	20,526	20,526	0%	23,014	12%
कुल	**68,913**	**92,882**	**98,395**	**6%**	**1,08,094**	**10%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान बिहार के बजटीय व्यय का **66%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में बिहार के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: बिहार बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बअ	2024-25 संअ	2025-26 बअ	संअ 24-25 से बअ 25-26 के बीच परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान 2023-24 बअ
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	43,878	54,605	79,915	63,335	-21%	▪ सरकारी स्कूलों को वेतन और भत्ते के लिए सहायता के रूप में 13,421 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ विश्वविद्यालयों को सहायता के रूप में 5,584 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	25,207	27,101	30,910	30,150	-2%	▪ मनरेगा के लिए 4,392 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 4,320 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	13,014	14,488	20,355	19,184	-6%	▪ शहरी स्वास्थ्य सुविधाओं-एलोपैथी के लिए 4,198 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
समाज कल्याण एवं पोषण	12,437	14,718	20,930	15,344	-27%	▪ मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के लिए 828 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	11,742	13,528	14,074	14,653	4%	▪ जिला पुलिस के लिए 8,448 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	15,892	11,334	20,897	13,401	-36%	▪ सस्ती बिजली के लिए सबसिडी हेतु 10,638 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	8,788	10,370	13,528	10,928	-19%	▪ प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के लिए 2,355 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	7,382	5,388	6,783	9,238	36%	▪ सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 7,642 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सड़क एवं पुल	13,142	7,723	11,784	8,832	-25%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 4,487 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	5,159	7,943	9,371	8,039	-14%	▪ पशुपालन के लिए 340 करोड़ रुपए, डेयरी विकास के लिए 170 करोड़ रुपए तथा मत्स्य पालन के लिए 228 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**73%**	**66%**	**71%**	**66%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 2,60,831 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 7% अधिक है। इसमें से 67,741 करोड़ रुपए (26%) राज्य **अपने संसाधनों से जुटाएगा** और 1,93,091 करोड़ रुपए (74%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी (राजस्व प्राप्तियों का 53%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 21%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 1,38,516 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 7% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 54,575 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 2% अधिक है। यह 2023-24 के वास्तविक आंकड़े (26,125 करोड़ रुपए) से काफी अधिक है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: बिहार का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 59,520 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 10% अधिक है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 5.4% अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से कम है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 5.7% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	48,361	54,300	54,300	0%	59,520	10%
राज्य के स्वयं गैर कर	5,257	7,326	7,326	0%	8,221	12%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	1,13,604	1,13,012	1,29,435	15%	1,38,516	7%
केंद्र से अनुदान	26,125	52,161	53,382	2%	54,575	2%
राजस्व प्राप्तियां	1,93,347	2,26,798	2,44,443	8%	2,60,831	7%
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	96	439	504	15%	525	4%
शुद्ध प्राप्तियां	1,93,443	2,27,238	2,44,947	7.8%	2,61,357	7%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (57% हिस्सा) होने का अनुमान है। राज्य जीएसटी राजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 8% की वृद्धि का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण से 12% अधिक होने की उम्मीद है।
- स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 2025-26 में 10% अधिक होने का अनुमान है।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	27,678	31,565	31,565	0%	34,009	8%
सेल्स टैक्स /वैट	9,371	10,010	10,010	0%	11,200	12%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	6,348	7,500	7,500	0%	8,250	10%
वाहन कर	3,358	3,700	3,700	0%	4,070	10%
बिजली पर कर और ड्यूटी	846	750	750	0%	1,016	35%
भूराजस्व	580	600	600	0%	700	17%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

बिहार के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2006 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2025-26 में 8,831 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 0.8%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की जगह भी उपलब्ध होगी।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 9.2% होने की उम्मीद है। यह जीएसडीपी के 3% के बजट अनुमान से अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में, बकाया ऋण जीएसडीपी का 37% होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 37.1%) के समान है।

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (एसपीएसई) की कार्यप्रणाली

31 मार्च, 2023 तक बिहार में 76 एसपीएसई थे। कैग (2024) ने कहा कि 59 एसपीएसई वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का पालन करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप 1,133 खाते बकाया हो गए। चालू एसपीएसई में से 16 ने 318 करोड़ रुपए का सामूहिक लाभ दर्ज किया, जिसमें तीन एसपीएसई का योगदान 58% था। 15 चालू एसपीएसई के 2,848 करोड़ रुपए के कुल नुकसान में से 2,798 करोड़ रुपए का नुकसान पांच एसपीएसई को हुआ था।

31 मार्च, 2023 तक राज्य सरकार ने 17 चालू एसपीएसई, एक सांविधिक निगम और 15 बंद हो चुके एसपीएसई को 51,583 करोड़ रुपए का बजटीय सहयोग दिया। 31 अगस्त, 2023 तक इन संस्थाओं ने 45 वर्षों तक के अपने खातों को अंतिम रूप नहीं दिया था। ऐसा करने की वजह से कैग के पूरक और सांविधिक ऑडिट में बाधाएं उत्पन्न हुईं। कैग ने सुझाव दिया कि सरकार को एसपीएसई प्रबंधन से आग्रह करना चाहिए कि वे सरकारी निवेशों पर विधायी निगरानी बनाए रखने के लिए वित्तीय विवरणों को समय पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

स्रोत: 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य वित्त ऑडिटस रिपोर्ट, कैग; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

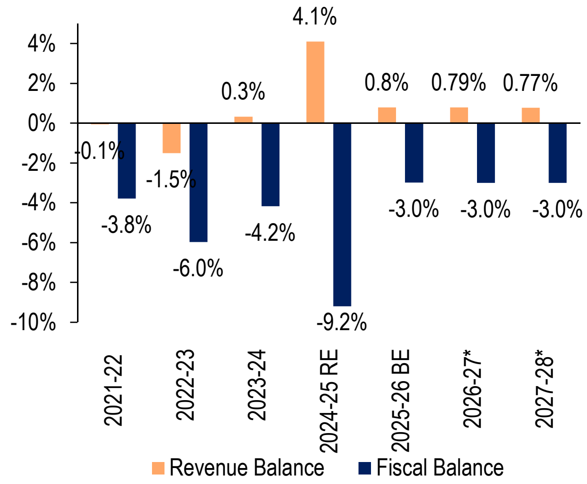

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: एफआरबीएम, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 4: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

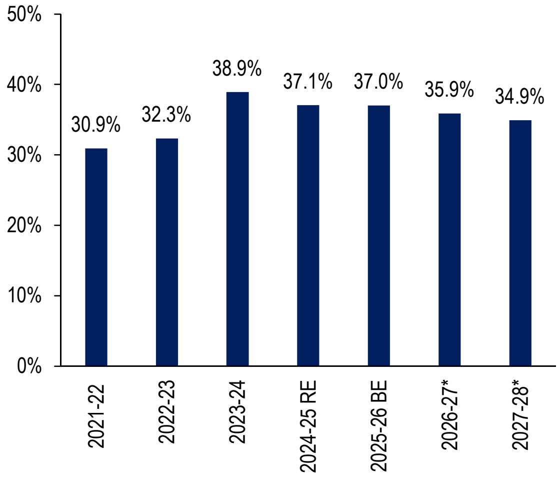

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। स्रोत: एफआरबीएम वक्तव्य, बिहार बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 मार्च, 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 26,715 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो बिहार की जीएसडीपी का 3.1% है। इन गारंटियों में से 63% बिजली क्षेत्र (16,907 करोड़ रुपए) की हैं।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में बिहार के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (बिहार सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: बिहार ने 2025-26 में शिक्षा पर अपने व्यय का 21.7% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य**: बिहार ने 2025-26 में स्वास्थ्य पर अपने व्यय का 6.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: बिहार ने 2025-26 में ग्रामीण विकास पर अपने व्यय का 10.3% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से अधिक है।
- **सड़कें और पुल**: बिहार ने 2025-26 में अपने व्यय का 3% सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से कम है।
- **कृषि**: बिहार ने 2025-26 में कृषि पर अपने व्यय का 2.7% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से कम है।
- **सिंचाई**: बिहार ने 2025-26 में सिंचाई पर अपने व्यय का 3.2% आवंटित किया है। यह 2024-25 में राज्यों द्वारा सिंचाई के लिए औसत आवंटन (3.4%) से कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

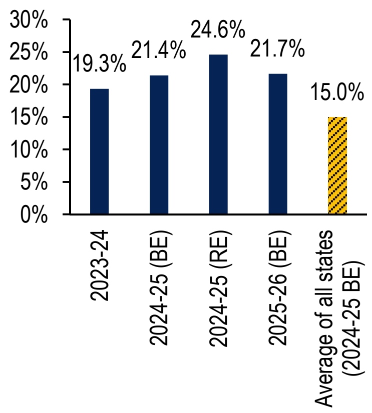

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

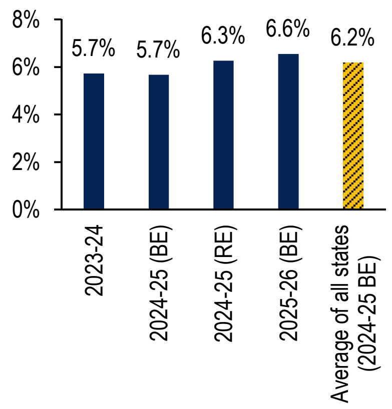

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

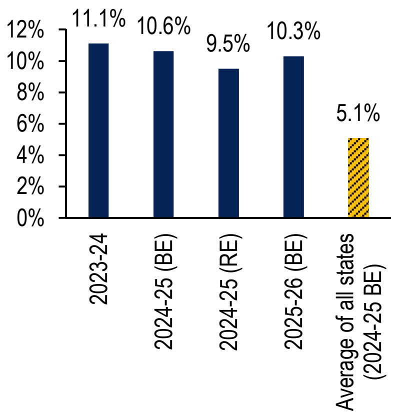

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

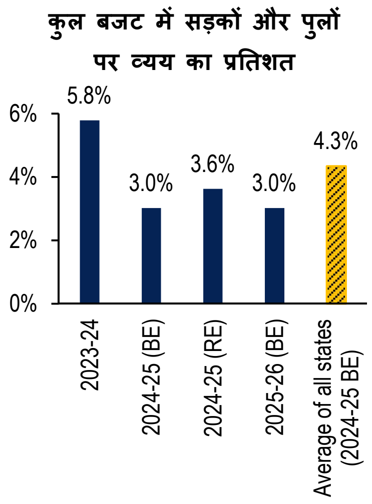

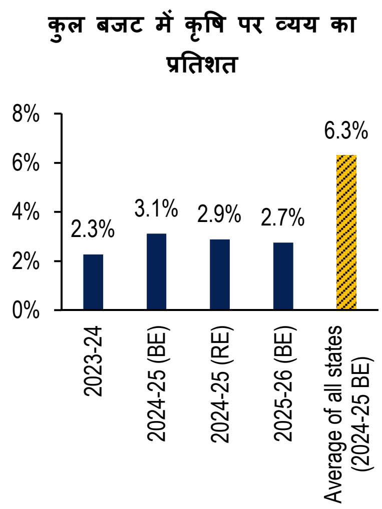

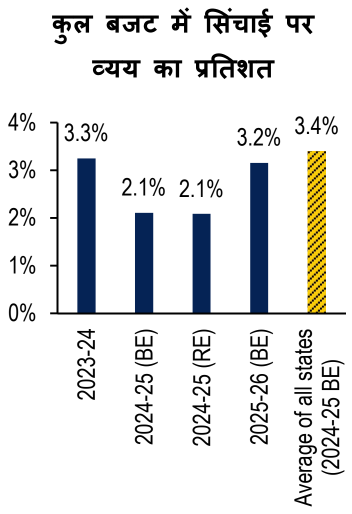

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े बिहार के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बिहार बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	2,12,759	1,93,443	-9%
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	2,12,327	1,93,347	-9%
क. स्वयं कर राजस्व	49,700	48,361	-3%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	6,512	5,257	-19%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	1,02,737	1,13,604	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	53,378	26,125	-51%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	432	96	-78%
3. उधारियां	49,327	60,218	22%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	2,38,327	2,29,103	-4%
4. राजस्व व्यय	2,07,848	1,90,514	-8%
5. पूंजीगत परिव्यय	29,257	36,453	25%
6. ऋण और अग्रिम	1,221	2,136	75%
7. ऋण पुनर्भुगतान	23,559	22,979	-2%
राजस्व संतुलन	4,479	2,833	-37%
राजस्व संतुलन (जीएसडीपी का %)	0.52%	0.3%	
राजकोषीय घाटा	25,568	35,660	39%
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	2.98%	4.2%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	31,111	27,678	-11%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	6300	6,348	1%
वाहन कर	3300	3,358	2%
भू राजस्व	550	580	5%
सेल्स टैक्स/वैट	7934	9,371	18%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	330	846	157%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
आवास	7,504	1,425	-81%
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण	3,769	1,024	-73%
कृषि और संबद्ध गतिविधियां	7,726	5,159	-33%
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण	16,704	13,014	-22%
सामाजिक कल्याण और पोषण	14,763	12,437	-16%
ग्रामीण विकास	25,270	25,207	0%
शहरी विकास	8,783	8,788	0%
पुलिस	11,686	11,742	0%
शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति	42,381	43,878	4%
सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण	5,360	7,382	38%
ऊर्जा	11,436	15,892	39%
परिवहन	9,887	13,935	41%
जिनमें से सड़कें और पुल	*9,430*	*13,142*	*39%*
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	4,738	8,694	84%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट दस्तावेज; पीआरएस।